भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2855
06.08.2025 को उत्तर देने के लिए

2025 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण में परिवर्तन

2855. श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री बलभद्र माझीः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जनवरी 2025 के बाद पुराने और नए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रूपरेखा के बीच आँकड़ों की तुलना की चुनौती से निपटने के लिए योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या संशोधित पीएलएफएस समयबद्ध नीतिगत हस्तक्षेपों के लिए मासिक श्रम बल संकेतकों को सक्षम बनाता है;

(ग) यदि हाँ, तो राज्यों और अन्य प्रासंगिक नीति निर्माण निकायों के लिए उनकी विश्वसनीयता, समयबद्धता और पहुँच सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (सां.और कार्य.कार्या.मंत्रा) के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) देश में रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित विभिन्न संकेतकों का अनुमान लगाने के लिए 2017 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित कर रहा है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के प्रतिदर्श डिजाइन को जनवरी 2025 से नया रूप दिया गया है, ताकि पीएलएफएस से संवर्धित कवरेज के साथ उच्च आवृत्ति श्रम बाजार संकेतकों की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। पुनर्गठित पीएलएफएस में निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने की परिकल्पना की गई है:

- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में अखिल भारतीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मासिक आधार पर प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रम बल भागीदारी दर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।

- पीएलएफएस के तिमाही परिणामों का कवरेज ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित करना और इस प्रकार देश स्तर पर तथा प्रमुख राज्यों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में तिमाही अनुमान तैयार करना।

- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) और सीडब्ल्यूएस दोनों में महत्वपूर्ण रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का वार्षिक अनुमान लगाना।

जनवरी 2025 से संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन के परिणामस्वरूप पीएलएफएस प्रसार में निम्नलिखित रूप से अद्यतन हुआ है:

- देश स्तर पर प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों के मासिक अनुमानों की उपलब्धता: संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दृष्टिकोण के अनुसरण में अखिल भारतीय स्तर पर प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों अर्थात एलएफपीआर, डब्ल्यूपीआर और यूआर के मासिक अनुमानों को तैयार करने में सक्षम बनाएगा। मासिक अनुमान से समय पर नीतिगत हस्तक्षेप करने में मदद मिलेगी।

- तिमाही अनुमानों को ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित करना: दिसंबर, 2024 तक, पीएलएफएस ने केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तिमाही श्रम बाजार संकेतक प्रदान किए। पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन में अद्यतनीकरण के साथ रोजगार बेरोजगारी संकेतकों के तिमाही अनुमान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए और इस प्रकार पूरे देश के लिए उपलब्ध होंगे।

- उन्नत प्रतिदर्श आकार: संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन एक बहुस्तरीय स्तरीकृत डिजाइन है। जनगणना 2011 के गांवों / शहरी फ्रेम सर्वेक्षण (यूएफएस) ब्लॉकों / उप-इकाइयों (उन गांवों या यूएफएस ब्लॉकों के लिए जहां उप-इकाइयां बनाई गई हैं) की सूची ने मिलकर प्रथम चरण इकाइयों (एफएसयू) के चयन के लिए प्रतिदर्श फ्रेम का गठन किया। संशोधित पीएलएफएस प्रतिदर्श डिजाइन में, दो-वर्षीय पैनल के प्रत्येक वर्ष में कुल 22,692 एफएसयू (ग्रामीण क्षेत्रों में 12,504 एफएसयू और शहरी क्षेत्रों में 10,188 एफएसयू) का सर्वेक्षण करने की योजना है, जबकि दिसंबर 2024 तक पीएलएफएस में 12,800 एफएसयू का सर्वेक्षण किया जाएगा। चयनित भौगोलिक इकाई (एफएसयू) के अंतर्गत सर्वेक्षण किये जाने वाले परिवारों की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 कर दी गई है। बढ़े हुए प्रतिदर्श आकार से श्रम बाजार संकेतकों के विश्वसनीय अनुमान बेहतर परिशुद्धता के साथ उपलब्ध होने की आशा है।

इसके अतिरिक्त, जांच अनुसूची की संरचना में भी कुछ परिवर्तन किए गए हैं। पीएलएफएस परिणामों के उपयोगकर्ताओं को पीएलएफएस परिणामों की तुलना दिसंबर, 2024 तक पीएलएफएस प्रकाशनों के माध्यम से जारी अनुमानों के साथ करते समय जनवरी 2025 से पीएलएफएस में लागू किए गए परिवर्तनों पर विचार करने की आवश्यकता है। इस प्रकार, जनवरी 2025 के बाद पीएलएफएस के परिणामों को उस संदर्भ में समझने और उपयोग करने की आवश्यकता है जिसके लिए पीएलएफएस की प्रतिदर्श चयन पद्धति तैयार की गई है।

श्रम बाजार संकेतकों के मासिक अनुमान पीएलएफएस मासिक बुलेटिन में सापेक्ष मानक त्रुटि (आरएसई) के रूप में प्रतिदर्श करण के कारण त्रुटि के उपायों के साथ जारी किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर पर आज तक जारी श्रम बाजार संकेतकों में वृद्धि स्वीकार्य सीमा के भीतर रही है। मुख्य संकेतकों के आरएसई का कम होना अनुमानों की विश्वसनीयता को सामने लाता है।

अप्रैल 2025, मई 2025 और जून 2025 के लिए पीएलएफएस के मासिक बुलेटिन परिणाम जारी करने के लिए पूर्वनिर्धारित समय सीमा के बाद जारी किए गए हैं और उपयोगकर्ताओं की आसान पहुंच के लिए मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में पीएलएफएस के मासिक परिणाम देश स्तर पर श्रम बाजार संकेतकों का प्रसार करते हैं तथा इसमें राज्य स्तर पर अनुमान प्रस्तुत करने का प्रावधान नहीं है।

*****